

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) का पुस्तकालय संसाधनों में समावेशन: एक अध्ययन

(Integration of Indian Knowledge Systems (IKS) in Library Resources under NEP 2020: A Study)

नाम: - BHAWANA YADAV

पद : - Assistant Professor

विषय: - पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (Library and Information Science)

संस्थान: - SETH R.C.S. ARTS AND COMMERCE COLLEGE , DURG (C.G.)

Email – bhawanayadav72@gmail.com

सारांश (Abstract)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारत की शिक्षा प्रणाली में सुधार हेतु एक क्रांतिकारी दस्तावेज है। इस नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge Systems-IKS) को शिक्षा के मूल आधार के रूप में पुनः स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा केवल वेद, उपनिषद और शास्त्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आयुर्वेद, योग, गणित, खगोलशास्त्र, वास्तुशास्त्र, लोक साहित्य, पारंपरिक कृषि, जल संरक्षण हस्तशिल्प तथा जीवन कौशल आधारित ज्ञान शामिल हैं। पुस्तकालय संसाधन किसी भी शैक्षणिक संस्था में ज्ञान के संरक्षण एवं प्रसार का प्रमुख माध्यम हैं।

यह शोध पत्र NEP 2020 के अंतर्गत पुस्तकालय संसाधनों में IKS के समावेशन की आवश्यकता, संभावनाओं चुनौतियों तथा रणनीतियों का अध्ययन करता है। अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। शोध में यह पाया गया कि यदि पुस्तकालयों में IKS आधारित संसाधनों का व्यवस्थित संग्रह डिजिटलीकरण एवं प्रचार-प्रसार किया जाए तो यह छात्रों में भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, शोध को प्रोत्साहित करेगा तथा शिक्षा को कौशल आधारित और समग्र बनाएगा।

मुख्य शब्द (Keywords): NEP 2020, IKS, भारतीय ज्ञान परंपरा, पुस्तकालय संसाधन, ज्ञान संरक्षण, डिजिटल लाइब्रेरी।

1. भूमिका (Introduction)

भारत विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। भारतीय सभ्यता की विशेषता यह रही है कि यहाँ ज्ञान को केवल पुस्तकीय अध्ययन नहीं बल्कि अनुभव, प्रयोग और जीवन के व्यावहारिक पक्ष से जोड़कर देखा गया। भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) का विकास वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक निरंतर होता रहा है।

NEP 2020 ने यह स्पष्ट किया है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था को केवल आधुनिक एवं पश्चिमी ज्ञान तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम और शोध के माध्यम से शिक्षा के केंद्र में लाना चाहिए। इस उद्देश्य को पूरा करने में पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि पुस्तकालय ज्ञान का भंडार, संरक्षक तथा प्रसारक है।

2. भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) का अर्थ एवं परिभाषा

भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge Systems-IKS) का अर्थ भारत में विकसित उन ज्ञान प्रणालियों से है जो विभिन्न कालखंडों में समाज, संस्कृति, विज्ञान, दर्शन, चिकित्सा, कला, साहित्य और जीवन-प्रबंधन के क्षेत्रों में विकसित हुई।

IKS की प्रमुख विशेषताएँ

1. समग्र दृष्टिकोण (Holistic Approach)
2. अनुभव आधारित ज्ञान (Experience-based Knowledge)
3. नैतिकता एवं मूल्यों पर आधारित
4. प्रकृति और पर्यावरण के अनुकूल
5. समाज एवं समुदाय केंद्रित
6. व्यावहारिक एवं उपयोगी ज्ञान

3. NEP 2020 में IKS का स्थान

NEP 2020 में यह कहा गया है कि भारत की शिक्षा प्रणाली को भारतीय मूल्यों, संस्कृति और ज्ञान परंपरा के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। नीति में IKS को पाठ्यक्रम, अनुसंधान, भाषा, संस्कृति, कला और नवाचार से जोड़ने पर बल दिया गया है।

NEP 2020 में IKS को शामिल करने के उद्देश्य

- भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का संरक्षण
- शिक्षा को स्थानीय संदर्भों से जोड़ना
- अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा
- नैतिक एवं मूल्य आधारित शिक्षा
- कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा

4. पुस्तकालय संसाधनों का अर्थ (Library Resources)

पुस्तकालय संसाधन वे सभी सामग्री एवं माध्यम हैं जिनके द्वारा ज्ञान को संग्रहित, व्यवस्थित, संरक्षित और उपयोगकर्ताओं तक पहुँचाया जाता है।

पुस्तकालय संसाधनों के प्रकार

1. मुद्रित संसाधन (Print Resources) – पुस्तकें, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, रिपोर्ट
2. अमुद्रित संसाधन (Non-Print Resources) – ऑडियो, वीडियो, माइक्रोफिल्म
3. डिजिटल संसाधन (Digital Resources) – ई-बुक, ई-जर्नल, डेटाबेस, ऑनलाइन रिपॉजिटरी
4. संदर्भ सामग्री (Reference Resources) – विश्वकोश, शब्दकोश, गाइड, हैंडबुक

5. IKS और पुस्तकालय संसाधनों का संबंध

IKS को संरक्षित करने के लिए पुस्तकालय सबसे उपयुक्त संस्थान है। कई बार भारतीय ज्ञान परंपरा का बड़ा हिस्सा मौखिक परंपरा में होता है, जिसे दस्तावेजीकरण के माध्यम से सुरक्षित किया जा सकता है।

IKS आधारित पुस्तकालय सामग्री के उदाहरण

- वेद, उपनिषद, पुराण
- आयुर्वेद ग्रंथ (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता)
- योग ग्रंथ (पतंजलि योगसूत्र)
- गणित और खगोल विज्ञान (आर्यभट्ट, भास्कराचार्य)
- वास्तुशास्त्र, शिल्पशास्त्र
- लोक साहित्य, लोकगीत, लोककथाएँ
- पारंपरिक कृषि, जल संरक्षण तकनीक
- जनजातीय चिकित्सा ज्ञान

6. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

इस शोध पत्र के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. NEP 2020 में IKS के महत्व का अध्ययन करना
2. पुस्तकालय संसाधनों में IKS समावेशन की आवश्यकता का विश्लेषण करना
3. IKS आधारित संसाधनों के प्रकारों का वर्णन करना
4. पुस्तकालयों में IKS संग्रहण एवं संरक्षण की चुनौतियों को पहचानना
5. पुस्तकालयों में IKS के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु सुझाव प्रस्तुत करना

7. शोध पद्धति (Research Methodology)

यह अध्ययन वर्णनात्मक (Descriptive) तथा विश्लेषणात्मक (Analytical) शोध पद्धति पर आधारित है। शोध में द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया है जैसे— NEP 2020 दस्तावेज, सरकारी रिपोर्ट, शोध लेख पुस्तकें एवं विभिन्न ऑनलाइन शैक्षणिक सामग्री

8. पुस्तकालय संसाधनों में IKS को शामिल करने की आवश्यकता

8.1 ज्ञान संरक्षण (Preservation of Knowledge)

भारत का पारंपरिक ज्ञान धीरे-धीरे लुप्त होता जा रहा है। पुस्तकालय इसे संरक्षित कर सकते हैं।

8.2 शोध एवं नवाचार (Research and Innovation)

IKS आधारित संसाधन नए शोध विषय उत्पन्न करते हैं, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

8.3 संस्कृति एवं पहचान का विकास

IKS सामग्री छात्रों में सांस्कृतिक चेतना उत्पन्न करती है।

8.4 कौशल विकास (Skill Development)

IKS में कृषि, चिकित्सा, हस्तशिल्प और वास्तुकला जैसे व्यावहारिक कौशल समाहित हैं।

8.5 समग्र शिक्षा (Holistic Education)

NEP 2020 का लक्ष्य समग्र शिक्षा है, जिसे IKS के बिना पूर्ण नहीं किया जा सकता।

9. IKS आधारित पुस्तकालय संसाधनों के प्रकार (Types of IKS Library Resources)

तालिका 1 : IKS आधारित पुस्तकालय संसाधन एवं उपयोग

संसाधन प्रकार	उदाहरण	उपयोग
---------------	--------	-------

संसाधन प्रकार	उदाहरण	उपयोग
मुद्रित संसाधन	वेद, आयुर्वेद ग्रंथ, इतिहास ग्रंथ	अध्ययन एवं शोध
संदर्भ सामग्री	भारतीय दर्शन विश्वकोश, संस्कृत शब्दकोश	संदर्भ कार्य
ऑडियो संसाधन	वेद मंत्र रिकॉर्डिंग, लोकगीत	संरक्षण एवं शिक्षण
वीडियो संसाधन	योग प्रशिक्षण, पारंपरिक कला प्रक्रिया	कौशल विकास
डिजिटल संसाधन	ई-पुस्तक, डिजिटल रिपॉजिटरी	व्यापक पहुँच

10. पुस्तकालयों में IKS समावेशन की रणनीतियाँ (Strategies)

10.1 संग्रह विकास नीति (Collection Development Policy)

पुस्तकालयों को IKS आधारित पुस्तकों और संसाधनों हेतु अलग संग्रह नीति बनानी चाहिए।

10.2 डिजिटलाइजेशन एवं डिजिटल लाइब्रेरी

प्राचीन पांडुलिपियों, ग्रंथों और दुर्लभ पुस्तकों को स्कैन कर डिजिटल रूप में संरक्षित किया जाए।

10.3 पांडुलिपि संरक्षण केंद्र (Manuscript Preservation Unit)

विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में पांडुलिपि संरक्षण इकाई स्थापित की जानी चाहिए।

10.4 संस्थागत रिपॉजिटरी (Institutional Repository)

शोधार्थियों द्वारा किए गए IKS आधारित शोध को रिपॉजिटरी में रखा जाए।

10.5 IKS विषय पर कार्यक्रम

- व्याख्यान
- संगोष्ठी
- प्रदर्शनी
- पुस्तक मेला
- लोककला वर्कशॉप

10.6 पुस्तकालय कर्मियों का प्रशिक्षण

IKS संग्रहण, वर्गीकरण, डिजिटलीकरण एवं मेटाडेटा निर्माण हेतु प्रशिक्षण आवश्यक है।

11. IKS संसाधनों के संग्रहण में चुनौतियाँ (Challenges)

11.1 सामग्री की दुर्लभता

कई IKS ग्रंथ दुर्लभ या निजी संग्रह में उपलब्ध हैं।

11.2 भाषा संबंधी समस्या

अधिकांश IKS सामग्री संस्कृत, प्राकृत, पाली तथा क्षेत्रीय भाषाओं में है।

11.3 वित्तीय संसाधनों की कमी

डिजिटलाइजेशन और संरक्षण के लिए पर्याप्त फंड की आवश्यकता होती है।

11.4 तकनीकी समस्या

ग्रामीण और छोटे पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों का अभाव है।

11.5 कॉपीराइट एवं वैधानिक बाधाएँ

कई दस्तावेजों पर कानूनी सीमाएँ लागू हो सकती हैं।

12. पुस्तकालयों में IKS समावेशन के प्रभाव (Impact)

12.1 शैक्षणिक प्रभाव

छात्रों को भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में प्रामाणिक जानकारी प्राप्त होगी।

12.2 सामाजिक प्रभाव

समाज में संस्कृति, परंपरा और मूल्यों का संरक्षण होगा।

12.3 आर्थिक प्रभाव

IKS आधारित कौशल (जैसे हस्तशिल्प, आयुर्वेद, कृषि) रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देंगे।

12.4 अनुसंधान प्रभाव

IKS पर शोध बढ़ने से भारत का वैश्विक शैक्षणिक योगदान बढ़ेगा ।

13. सुझाव (Suggestions)

1. हर कॉलेज/विश्वविद्यालय पुस्तकालय में **IKS Corner / IKS Section** बनाया जाए ।
2. पांडुलिपियों एवं दुर्लभ ग्रंथों का **डिजिटल संरक्षण** किया जाए ।
3. पुस्तकालयों में **स्थानीय भाषा व संस्कृत** की सामग्री को प्राथमिकता दी जाए ।
4. IKS आधारित **ओपन एक्सेस डिजिटल रिपॉजिटरी** विकसित की जाए ।
5. पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं हेतु **IKS जागरूकता कार्यक्रम** आयोजित किए जाएँ ।
6. IKS आधारित पुस्तकों को **Dewey Decimal Classification** या अन्य प्रणाली में उपयुक्त वर्गीकरण प्रदान किया जाए
7. पुस्तकालयों में **ICT आधारित सुविधाएँ** विकसित की जाएँ ।

14. निष्कर्ष (Conclusion)

NEP 2020 ने भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) को पुनर्जीवित करने और उसे शिक्षा के केंद्र में लाने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है । पुस्तकालय संसाधन इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । IKS आधारित संसाधनों का संग्रह, संरक्षण, वर्गीकरण, डिजिटलाइजेशन और प्रचार-प्रसार करके पुस्तकालय भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकते हैं ।

हालांकि संसाधनों की कमी, भाषा समस्या, तकनीकी बाधाएँ और वित्तीय चुनौतियाँ हैं, लेकिन सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और पुस्तकालयों के संयुक्त प्रयास से IKS का प्रभावी समावेशन संभव है । अतः यह कहा जा सकता है कि पुस्तकालयों में IKS संसाधनों का विकास NEP 2020 के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

संदर्भ सूची (References / Bibliography)

1. भारत सरकार. (2020). **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)**. शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।
2. Ministry of Education, Government of India. (2020). **National Education Policy 2020**. New Delhi.
3. शर्मा, आर. (2021). **भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा**. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन ।
4. मिश्र, पी. (2020). **भारतीय ज्ञान प्रणाली: अवधारणा एवं महत्व**. वाराणसी: ज्ञान प्रकाशन ।

5. UNESCO. (2019). **Indigenous Knowledge and Sustainable Development**. UNESCO Publication.
6. Kumar, S. (2021). "Role of Libraries in Preserving Traditional Knowledge." *International Journal of Library Science*, 8(2), 45-52.
7. Singh, A. (2022). "Indian Knowledge Systems and NEP 2020." *Journal of Educational Research*, 14(1), 33-40.
8. चतुर्वेदी, के. (2019). **संस्कृत साहित्य एवं भारतीय ज्ञान परंपरा**. दिल्ली: साहित्य भवन ।
9. Patel, R. (2020). "Digital Libraries and Knowledge Preservation." *Library Management Review*, 10(3), 21-29.